



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय

Indira Gandhi National Tribal University

अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Date: 29.08.2020

राष्ट्रीय खेल दिवस 2020

संदेश

सबसे पहले मैं हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिनकी स्मृति में उनके जन्मदिवस (29 अगस्त) को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। ध्यानचंद जी के खेल कौशल के कारण 1928, 1932 और 1936 के ओलंपिक खेलों में हॉकी में भारत को स्वर्ण पदक मिला। उन्हें हॉकी की दुनिया का आदर्श खिलाड़ी कहा जाता है।

भारत में खेल की प्राचीन परंपरा रही है, रामायण और महाभारत में रथों की दौड़, धनुर्विद्या, मल्लयुद्ध, और मृगया जैसे लोकप्रिय खेल थे। बलराम, भीम, हनुमान, जामवंत और जरासंध मल्लयुद्ध में पारंगत थे। कृष्ण ने गेंद खेलते हुए ही कालिया-मर्दन किया था। भारत में स्थानीय खेल भी गांवों और कस्बों में बहुत लोकप्रिय हैं जैसे कबड्डी, गुल्ली-डंडा, रस्साकशी, लंगड़ी, लुका-छुपी और पिट्टू और कई इनडोर खेल भी भारत में खेले जाते रहे हैं जैसे शतरंज, गंजीफा, चौपड़ आदि। भारतीय लोक हमेशा से उत्सव प्रिय और क्रीड़ाप्रेमी रहा है। नाग पंचमी के अवसर पर देश के कई भागों में कुश्ती और कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। भारत में जनसाधारण के खेल कम व्ययसाध्य हैं। प्रेमचंद्र की एक कहानी "गुल्ली-डंडा" देशी और विदेशी खेलों की तुलना करती है।

भारत की यह मान्यता रही है कि खेल से शरीर और मस्तिष्क दोनों स्वस्थ, संतुलित और शांत रहते हैं। इतना ही नहीं खेल हमें अनुशासन भी सिखाता है जिसमें हार-जीत को नहीं, खेल भावना को प्रमुखता दी गई है।

इसी प्रकार काया-साधना (योग) का महत्व वैदिक युग से है जिसमें एकाग्र होने पर बल दिया गया है। अष्टांग योग के अन्तर्गत विभिन्न यौगिक आसनों का समावेश है। युवाओं में शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के खेलों का विकास कराना चाहिए। हमारे स्कूलों में दौड़, ऊंची-कूद, लंबी-कूद और भारोत्तोलन जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। युवाओं में खेल की रुचि बढ़े, इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने यह कहा था-"खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत"। स्वस्थ शरीर और तेजस्वी मस्तिष्क के युवा ही भारत को 'विश्व गुरु' बना सकते हैं। खेल युवाओं के लिए प्रेरणादायक भी होता है। खेल में भाग लेने से किशोरों और युवाओं का चहुँमुखी विकास हो पाता है, इसीलिए प्रधानमंत्री जी ने इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस पर यह अपील की है कि-खेल और फिटनेस को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएँ। हमारे विद्यार्थी व्यायाम, शारीरिक क्रीड़ाओं और योग की ओर प्रवृत्त हों, इस संदेश के साथ मैं आप सबको राष्ट्रीय खेल दिवस पर शुभकामनाएं देता हूँ।


प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी